ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 15 नवम्बर - I, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी है आपसी सामंजस्य - झा

शांतिवन। 'स्वर्णिम भारत' प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए नेपाल के उपराष्ट्रपति परमानंद झा, ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु.राज बहन तथा अन्य।

शांतिवन। आज जिस तरह से पूरे विश्व में अशांति एवं हिंसा का वातावरण बनता जा रहा है वह किसी भी दृष्टिकोण से समाज के लिए हितकारी नहीं है। यदि हमें इन समस्याओं का समाधान चाहिए तो आपसी सामंजस्य और सौहार्द्र को बढ़ाना होगा।

उक्त उद्‌गार नेपाल के उपराष्ट्रपति परमानन्द झा ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'प्लेटिनम जुबली' के स्वागत सत्र को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विश्व एक परिवार और एक ईश्वर के सिद्धांत से पूरी दुनिया में अमन और शांति का वातावरण बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें जातिधर्म के भेद से ऊपर उठकर एक श्रेष्ठ समाज की संरचना को मानव धर्म के रूप में अपनाना चाहिए। यह विश्व का ऐसा स्थान है जहां से पूरे विश्व में शांति एवं सद्‌भाव की तरंगे प्रवाहित हो रही है।

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुभाष घई ने कहा कि जीवन के 75 वर्ष पूरे कर चुकी ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का स्वर्णिम इतिहास सम्पूर्ण मानव जाति के लिए प्रेरणादायी एवं विश्व शांति स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कौन कहता है कि आज के वातावरण में श्रेष्ठ समाज का निर्माण नहीं हो सकता है, यह ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने कर दिखाया है।

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने 75 वर्ष पूर्व जो सपना देखा था वह आज साकार होता दिख रहा है। इसमें सभी लोगों को सहभागी बनकर विश्व को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करना चाहिए। दादीजी ने कहा कि लोगों को अनेकों को याद करने की आदत है वो एक समय में अनेकों को याद करते हैं हमें इस आदत को छोड़नी है और एक को याद करनी है तभी हमें भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

बीकानेर के सांसद अर्जुन मेघवाल ने कहा कि आज के अनिश्चितता भरे माहौल में मानव के प्रवृत्ति को नियंत्रण कर देवत्व प्रवृत्ति को विकसित करने का आश्चर्य-जनक कार्य यह संस्था ने कर दिखाया है। सूचना एवं प्रोद्योगिकी के इस युग में विश्व एक गांव बन गया है। जबकि ब्रह्मा बाबा ने 75 वर्ष पूर्व इसी सिद्धांत को लेकर नारी शक्ति को आगे रखकर इस संस्था की स्थापना की थी।

इस अवसर पर भिन्न-भिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज के साथ एवं ब्रह्माकुमारीज़ के विभिन्न प्रभागों के प्रतिनिधियों ने भी इस मार्च पास्ट में भाग लिया।

इस कार्यक्रम को राजस्थान कांग्रेस कमेटी के महासचिव नीरज डांगी, मीडिया प्रवक्ता ब्र.कु.करूणा, ब्र.कु.भारतभूषण, डॉ.जी.भक्तवत्सलम, ब्र.कु.भूपाल, थाईलैण्ड की राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर ब्र.कु.ला, अमेरिका की ब्र.कु.जेना ने भी सम्बोधित किया। काठमाण्डू (नेपाल), सिकंदराबाद व केरल से आये हुए कलाकारों ने लोकनृत्यों द्वारा लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु.शशि ने किया।

शांतिवन। शिवध्वजा रोहण करते हुए नेपाल के उपराष्ट्रपति परमानंद झा, दादी रतनमोहिनी तथा अन्य।

मीडियाकर्मी आत्म-निरीक्षण कर स्वयं अपनी भूमिका सुनिश्चित करें - त्रिवेदी

शांतिवन। पत्रकार की समाज के प्रति क्या भूमिका है इसे गहराई से जानने व समझने की आवश्यकता है, क्योंकि समाज का उत्थान काफी हद तक पत्रकारिता पर निर्भर करता है। इसलिए पत्रकारों को आत्म निरीक्षण कर स्वयं अपनी भूमिका सुनिश्चित करना चाहिए।

उक्त उद्‌गार गुजरात के पूर्व गृहमंत्री तथा पवित्र यात्राधाम के अध्यक्ष महेन्द्र भाई त्रिवेदी ने ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन' में देशभर से आये पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि समाज में कई ऐसे कार्य हैं जो समाज के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आज लोग सफल होने के लिए गलत रास्ते का चयन कर रहे हैं जो किसी भी दृष्टिकोण से लोकहित में नहीं है। पूर्व में पत्रकारिता ने ऐसे आयाम तय किए हैं जो आज के लिए मिसाल है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक विचारों से प्रतिबद्ध होकर ही नये समाज की स्थापना का प्रयास करना चाहिए।

संस्था की सयुंक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि मीडिया समाज का वह वर्ग है जिसे सबसे ज्यादा जागरूक एवं विश्वसनीय कहा जाता है। यदि मीडियाकर्मी अपने जीवन में मूल्यों को अपना लें तो समाज का सर्वांगीण विकास करना संभव हो पायेगा।

शांतिवन। मीडिया सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए गुजरात के पूर्व गृहमंत्री महेन्द्र भाई त्रिवेदी, दूरदर्शन के उपमहानिदेशक सी.सुब्रमह्यम, ब्र.कु.मोहिनी, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.करूणा, ब्र.कु.ओमप्रकाश, ब्र.कु.शांतनु तथा अन्य।

दूरदर्शन के उपमहानिदेशक सी.सुब्रमह्यम ने कहा कि आज सात सौ चैनल हैं जिसमें कई ऐसे चैनल हैं जो समाज में फैली अव्यवस्था को बढ़ावा देते हैं। इसलिए आपलोगों को ही इस पर अंकुश लगाने का कार्य करना होगा। इंडिया न्यूज के समाचार संपादक ने कहा कि आज मीडिया के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा इतनी बढ़ गई है कि जिसके कारण मीडिया का व्यवसयीकरण हो गया है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.कमल दीक्षित ने कहा कि अब समय आ गया है कि पत्रकारों को निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्तों का चयन करना चाहिए जिससे पत्रकारिता श्रेष्ठ समाज के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि जिस तरह से पूर्व में मीडिया ने अपनी भूमिका को समझते हुए समाज को एक नई दिशा दी है। ऐसे में अब भी जरूरत है कि वह अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.ओमप्रकाश ने कहा कि आज मीडिया इतना शक्तिशाली हो गया है कि उसकी एक आवाज आम लोगों की आवाज बन जाती है। मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.करूणा ने कहा कि आज मीडिया किस दिशा में जा रही है इसका अवलोकन करना जरूरी हो गया है।

इस कार्यक्रम को ग्राम विकास की अध्यक्षा ब्र.कु.मोहिनी एवं ब्र.कु.शीलू ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा मंच का कुशल संचालन जयपुर